A Brief Report on Mass Awareness programme on

World Environment Day - 2011

(05th June, 2011)

Forest: Nature at Your Service



Organized By



Central Pollution Control Board

Zonal Office Bhopal

June, 2011

A Brief Report on Awareness Programme on

World Environment Day 2011

The celebration of awareness program was initiated on 22nd April, 2011, World Earth Day through an Official Cricket match –cum-awareness program held at Maulana Azad National Institute of Technology.

To spread the environmental awareness among the public, Central Pollution Control Board, Zonal Office, Bhopal conducted various activities on the eve of World Environment day (WED) on 5th June, 2011 throughout the Bhopal city. The WED theme for this year was '**Forest: Nature At Your Service'.** The message containing the same was publicized through creative banners & colorful pamphlets. Banners were displayed at important junctions representing various parts of Bhopal city to get the attention from public. Pamphlets were distributed among the public, NGOs, institutions, universities and other organizations. Plantation was carried out at 'Smiriti Van' near Bhadbhadha pool of Bhopal. The entire Program was widely covered by Doordarshan Madhya Pradesh.

Activities in detail:

To create mass awareness about the importance of World Environment Day, following efforts were made by the office:

a) The design of banner was based on Vodafone's ZOO-ZOO advertisement. To have the access of ZOO-ZOO for environment awareness necessary copyright approval was obtained from Vodafone. Accordingly the banner was designed which has drawn the attention of almost all.

The banners were displayed at important junctions of Bhopal e.g. DB mall (near M.P. Nagar), Secretariat, Vittal Market, Regional Museum of Natural History (RMNH), BHEL Jubli gate, Railway station, Indian Institute of Forest Management (IIFM), Smiriti Van, Doordarshan - Madhya Pradesh, Upper lake, Model Senior Secondary School (Exam Centre for Scientist 'B' & JRF recruitment), CPCB Office

building, Maulana National Institute of Technology (MA-NIT), Airport, Barkatulla University etc. Enclosed at **Annexure – I.** Many people appreciated the design and theme of banner.

- b) Multi colored and Black & White Pamphlets spreading the message about WED theme were distributed at various societies and colonies. The message given through pamphlets in Hindi was highly appreciated by 'आम आदमी'. Copies of the same is enclosed at **Annexure- II.**
- c) On the day of World Environment Day, plantation was carried out at 'Smiriti Van'. The plantation program was covered by Doordarshan Madhya Pradesh. Appropriate message was given by Sh S. Suresh ZO & Dr R P Mishra Sci 'B', on the occasion. Photographs enclosed at **Annexure III.**
- d) A 'Paryavaran Sabha (पर्यावरण सभा)' was also organized among the staff members of CPCB Bhopal Office under the 'बरगद का पेड़'. Speeches on Save Forest, Save Earth were delivered by staff members. Photographs enclosed at **Annexure IV.**
- e) Under the CPCB sponsored program 'Paryavaran Darshan', two episodes were covered on the panel discussion held among the selected environmentalists & Scientists. The time Scheduled for telecasting the program was on Saturday 4th June 5:30PM and Sunday 5th June 6:30PM. Many environmental messages were also provided to DD –Madhya Pradesh to scroll during the Paryavaran Darshan Program. Information at **Annexure V**.
- f) The social networking concept to spread the awareness was adopted this year to have more awareness about the WED. An event named 'World Environment Day' was started on Facebook on 4th June. The event ends on 6th June. The environment message was liked by many and huge number of Facebook users liked the event. Clippings are enclosed at Annexure VI.
- g) The activities of CPCB were widely covered by print media both in Hindi & English. Clippings of the same enclosed at Annexure VII.

Banner in Bhopal City

Annexure - I



Regional Museum of Natural History (RMNH)



Model Senior Secondary School

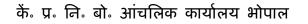


Railway Station



In front of DB Mall (near M.P. Nagar)

विश्व पर्यावरण दिवस 2011





BHEL Jubli Gate



Banner in Bhopal City





Upper Lake (Most popular place of Bhopal City)





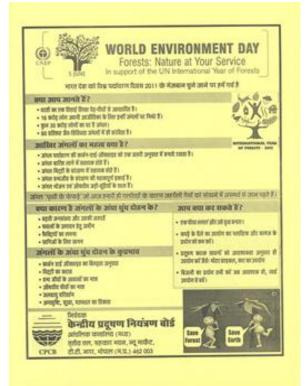
Pamphlet

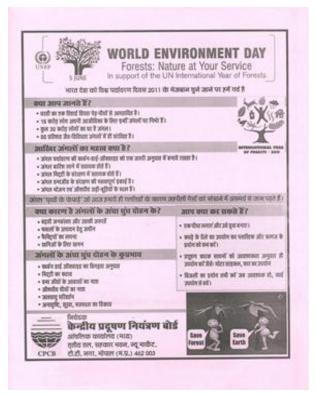
UNEP Forests: Nat	/IRONMENT DAY ure at Your Service International Year of Forests
	जिलान पुरा जान पर (जानव (
क्या आप जानते हैं? • धरती का एक तिहाई हिस्सा पेड़-पौधों से आच्छादित है। • 16 करोड़ लोग अपनी आजीविका के लिए इन्हीं जंगलों पर निर्भर हैं। • कुल 30 करोड़ लोगों का घर है जंगल। • 80 प्रतिशत जैव-विविधता जंगलों में ही संरक्षित है।	
आरिवर जंगलों का महत्व क्या है?	INTERNATIONAL YEAR
 जंगल पर्यावरण की कार्बन-डाई-ऑक्साइड को एक जरुरी अनुपात में बना जंगल बारिश लाने में सहायक होते हैं। जंगल मिट्टी के संरक्षण में सहायक होते हैं। जंगल वन्यजीव के संरक्षण की महत्वपूर्ण इकाई है। जंगल भोजन एवं औषधीय जड़ी-बूटियों के स्थल हैं। जंगल भोजन एवं औषधीय जड़ी-बूटियों के स्थल हैं। 	
क्या कारण है जंगलों के अंधा धुंध दोहन के? • बढ़ती जनसंख्या और उसकी जरुरतें • फसलों के उत्पादन हेतु जमीन • फैक्ट्रियों का लगना • खनिजों के लिए खनन	आप क्या कर सकते हैं? • एक पौधा लगाएं और उसे वृक्ष बनाए। • कपड़े के थैले का उपयोग कर प्लास्टिक और कागज के प्रयोग को कम करें।
जंगलों के अंधा धुंध दोहन के कुप्रभाव	
• कार्बन डाई ऑक्साइड का बिगड़ता अनुपात • मिट्टी का कटाव • वन्य जीवों के आवासों का नाश • औषधीय पौधों का नाश	 प्रदूषण कारक साधनों को आवश्यकता अनुसार ही उपयोग करें जैसेः मोटर साइकल, कार का उपयोग बिजली का प्रयोग तभी करें जब आवश्यक हो, व्यर्थ उपयोग से बचें।
• जलवायु परिवर्तन • अनावृष्टि, सूरवा, मरूस्थल का विकास	·
निवेदक कन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आंचलिक कार्यालय (मध्य) तृतीय तल, सहकार भवन, न्यू मार्केट, टी.टी. नगर, भोपाल (म.प्र.) ४६२ ००३	Save Forest Save Earth

Four Colored Pamphlets

UNEP Forests: Nat	VIRONMENT DAY ture at Your Service
भारत देश को विश्व पर्यावरण दिवस २०११ के	मेजबान चुने जाने पर हमें गर्व है
व्यया आग्य जानते हैं? • प्रस्ती का एक तिहाई हिस्सा पेड़-पौधों से आसमदित है। • 16 करोड़ लोग अपनी आसीविका के लिए इन्हीं जंगलों पर निर्भर हैं। • कुल 30 करोड़ लोगों का पर है जंगला। • 80 प्रतिज्ञा जंज-विधियता जंगलों में ही संरक्षित है।	
आरिवर जंगलों का महत्व क्या है?	INTERNATIONAL YEAR
• जंगल बारिश लाने में सहायक होते हैं। • जंगल मिद्ददी के सरंखण में सहायक होते हैं। • जंगल वन्यजीव के सरंखण की महत्वपूर्ण दकाई है।	
The second se	
जंगल 'पृथ्वी के फेफड़े' जो आज स्मारी ही गलतियाँ के कारण उ क्या कारण है जंगलों के अंधा धुंध दोहन के ?	तहरीली गैसों को सोखने में असमर्थ से जान पड़ते हैं। आप क्या कर सकते हैं?
जंगल' पृथ्वी थेठ फेफड़ें' जो आज लगारी ही गलतियों के कारण उ बच्चा कारण हैं जंगलों के अंधा धुंध दोहन के? • बढ़वी जनसंखा और अबने जरुतों	
जंगल 'पृथ्वी के फेफड़े' जो आज स्मारी ही गलतियाँ के कारण उ क्या कारण है जंगलों के अंधा धुंध दोहन के ?	आप क्या कर सकते हैं?
जंगल' पक्षी के फेफड़े' जो जाज स्मारी ही मलतिवों के कारण उ वया कारण हे जंगलों के अंधा धुंध दोहन के ? • बढ़ती अनसंजा और स्वजी जरुवे • जिद्ववों का समन • जिद्ववों का समन - सनिओं के पिए जनन जंगलों के अंधा धुंध दोहन के कुप्रभाध	आप क्या कर सकते हैं ? • एकपीधालगाएं और उसे वृक्षा बनाए । • कपड़े के धैले का उपयोग कर प्लास्टिक और कागज के
र्जगल ' पथ्वी के फेफड़े' जो आज स्मारी ही मलतिवों के कारण उ वधा कारण डे जॉन्टनों के झंधा धुंध दोहन के ? • बढ़ती उनसंखा और उसकी जरुतें • जबलों के आपन हेंदु जमीन • जिल्ली की सए मनन	अभाय कर्या कर सकते हैं ? • एकपौधालमाएं और उसे वृक्ष बनाए । • कबड़े के वैले का उपयोग कर प्लास्टिक और कागज के प्रयोग को कम करें। • प्रदाण कारक साधनों को आवश्यकता अनुसार ही
जंगल' प्रथ्यी थेः फेफड़ें जो आज स्मारी ही मलतियों थेः कारण उ स्वार समरण हे जगेरती के उसंघा धुंध दोडन के? - बत्नती वन्तर्भका और सबी काठन - कादनी के उत्तावन हे व्यमीन - क्रेविद्यों का स्वनन - क्रेविद्यों का स्वनन - क्रांटियों के सिए खनन - क्रांटियों के सिए खनन - क्रांटियों के सिंधाइड का सिन्हता अनुपात - क्रिंद्र का कटल - क्रांटी का कार्सा से नाज - क्रेवरीय पीपों का नाज - क्रेवरीय पीपों का नाज	अपय क्या कर सकते हैं? • एक पीधा लगाएं और उसे दूस बनाए ! • कु के दिने का उपयोग कर प्लारिक और लगज के प्रयोग को कम करें ! • प्रष्ट्रण करक सामनें को आवश्यकता अनुसार ही उपयोग करें जैसे गोरद साइकर, कार का उपयोग • दिस्त्री का प्रयोग गानी करें जब आवश्यक हो, व्य उपयोग हो बरें !







Plantation Program



Plantation @ Smiriti Van



Coverage by DD Madhya Pradesh



'जय स्वच्छ परिवेश'

Annexure - IV

Paryavaran Sabha (पर्यावरण सभा)





Paryavaran Darshan : Panel Discussion



Discussion on Forest & its conservation by selected Environmentalists & Scientists



Environment Awareness through Facebook





World Environment Day (05 June 2011)

11

विश्व पर्यावरण दिवस 2011

📩 Rahul Patwa 🔐 Rajiv Kumar Mehra

👰 Rahul Mishra

TRAGE

भोपाल, ६ जून २०११

Clippings in Print Media

को साफ-सफाई,पालीथिन के उपयोग पर रोक, वायु प्रदूषण इत्यादि पर गंभीरतापूर्वक कार्य करेंगे। पेड़ों की सभा 'नाटक का मंचन आजः विश्व पर्यावरण दिवस

के अवसर पर दस दिवसीय नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन सुपरिचित रंगकर्मी नीति श्रीवास्तव के निर्देशन में बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र में किया गया। इस दौरान ' पेड़ों की सभा नाटक तैयार कराया गया। इस नाटक में तीस बच्चों ने भाग लिया। केंद्र में पर्यावरण से संबंधित बच्चों ने चित्र भी बनाए। कल ६ जून को शाम ६:३० बजे बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र के प्रांगण में पेड़ों की सभा नाटक का मंचन का कार्यक्रम रखा गया है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एनपी शुक्ला, अध्यक्ष मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड होंगे तथा अध्यक्षता पद्म बरैया, उपाध्यक्ष गोसंवर्धन बोर्ड करेंगे।

पेंटिंग प्रतियोगिता संपन्नः विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर हील संस्था द्वारा निजी स्कूल के छठवीं से आठवीं के बच्चों का पेंटिंग काम्पीरीशन करवाया गया। प्रतियोगिता की थीम बच्चों की नजर में पर्यावरण रखी गई। इस मौके पर बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का भरपूर प्रयोग कर खूबसूरत पेंटिग्स बनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम ट्रस्ट के महाासचिव देव सिंह ने की। इस अवसर पर होल संस्था के अध्यक्ष विपिन शर्मा ने बच्चों को पर्यावरण को महत्ता व उसके संरक्षण से संबंधित बातें भी बताईं। आज विश्व पर्यावरण के मौके पर संस्था द्वारा नि:शुल्क पौधों पर जूट के बैग्स का वितरण भी किया गया।

बचाने के लिए हाथों का कवच बनाकर यह संदेश दिया कि मनुष्ठ संकल्प कर ले तो पर्यावरण की रक्षा संभव है। चित्रों के माध्यम से बच्चों को चिन्ता और चिंतन को प्रौढ़ता झलकी जो भविष्य के लिए एक अच्छा संकेत है। पर्यावरण चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा नौ से बारह के किशोर समूह में नौवीं कक्षा की स्निग्धा चतुर्वेदी के चित्र को प्रथम, ग्यारहवीं कक्षा के विजय कीर को द्वितीय, ग्यारहवीं कक्षा के विजय गहरवार को तृतीय, नौवीं कक्षा की दिशा चतुर्वेदी एवं बारहवीं कक्षा की समृद्धि टेमक को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, आंचलिक कार्यालय, भोपाल द्वारा सम्पूर्ण भोपाल शहर में व्यापक पर्यावरणीय जन-जागरूकता हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों पर बैनर लगाए गए तथा पाम्पलेट बांटे गए। इस अवसर पर स्मृति वन में वृक्षारोपण कार्य किया गया जिसमें अधिक संख्या में लोगों ने भाग लिया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा दूरदर्शन भोपाल के माध्यम से साप्ताहिक कार्यक्रम 'पर्यावरण शनिवार सायं ५:३० वजे प्रसारित किया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण दर्शन कार्यक्रम में अनुभवी पर्यावरणविदों को आमंत्रित कर जंगलों के महत्व के बारे में चर्चा <mark>र्त्त गई </mark>द्वीर्यायु सामाजिक कल्याण संस्था द्वारा वाग सेवनिया स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्र ६४२ एवं पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर जन जागरण को संस्था के उपाध्यक्ष आरपी गुप्ता द्वारा अपने आसपास हरयाली कैसे रखी जाए, इस अवसर पर सलाह दी

एवं संस्था की संयुक्त सचिव रश्मि अकुर द्वारा महिलाओं एवं

100 2-11-enc केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, आंचलिक कार्यालय की ओर से व्यापक पर्यावरणीय जन-जागरुकता के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों पर बैनर लगाए गए व पंपलेट बांटे गए।

विश्व पर्यावरण दिवस 2011

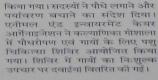


ु पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए पौधे लगाने एवं पॉलीथिन का उपयोग

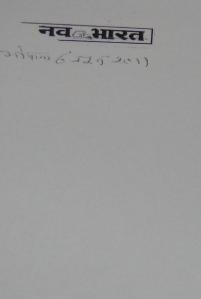
नहीं करने का संकल्प लिखा। पंडित नाथूराम स्मृति, ग्रामीण शिक्षा उत्थान एवं जनकल्याण समिति द्वारा रैली निकाली गई और पौधरोपण

ावा मन नाष्यमा स सदशा वर्ष गए। बड़े तालाब, चन विहार और प्रवासी पक्षियों के संरक्षण के लिए मुहिम के तहत उदय संस्था और मौपाल सिटीजन फौरम द्वारा वोट बलाब पर अभियान चलाया गया। इस दौरान पर्यावरणविद् और पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यरत लोगों ने वाहुन रोककर और वहां पॉलीथिन और कचरा उठाकर लोगों से इस अभियान राककर और वहा पालाधिन और कच्या उठाकर लोगों से इस अभियान में भागीदारी की अपील की। संस्था की श्रीहला मसुद ने बताया कि 2001 में तालाब संरक्षण और वन विद्यार की बचाने की मुहिम शुरु की गई थी। 276 करोड़ रुपए भोज वेटलेंड परियोजना पर खर्च हुआ, जो व्यर्थ गया। जेलाब संरक्षण में कुछ नहीं हो सक्या किन्दीय प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड, आंचलिक कार्यालय द्वारा शहर में व्यापक कार्यालय द्वारा शहर में व्यापक प्रविधन स्थलों पर बेनर लगाएगएगए तथा पंपलेट बांट गए। इस दौरान स्मृति वन मं पौधरोपण किया गया। बोर्ड द्वारा यात्वार को दूरदर्शन पर प्रसारित कार्यावरण विद्यां को आमंत्रित कर जंसीआई संस्था ने सदस्या को पौधे वितरित किए और संकल्प लिया कररेगा और बड़ा होने तक उसका

करेगा और बड़ा होने तक उसका



पम्पतेट बांटे गये, इस अवसर पर ' स्मृति बन' में वृक्षारोपण कार्य किया गया, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा दूरदर्शन भोपाल के माध्यम से साप्तारिक कार्यक्रम पर्यावरण दर्शन शनिवार सायं 5.30 बजे प्रसारित किया जाता है. विश्व पर्यवरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण दर्शन कार्यक्रम में अनुभवी पर्यावरणविदों को आर्मतित कर जंगलों के महत्व के र्थावरण को पुरस्कार वितरित करते हुये कहा कि बच्चे हमारे देश के भावी नागरिक हैं एवं हम उनमें पर्यावरणीय चेतना जगाकर जरते हैं. अनेक बताई. रेड़ का के पेड़ भविष्य के पर्यावरण को सुधार सकते हैं. सकते हैं. इस अवसर पर वन: प्रकृति आपकी सेवा में ' पर रोचक व्याख्यान का आयोजित किया गया. इसमें जुक्ष प्रदूषण एवं कार्बनडाई ऑक्साइड सोखकर हमें ऑक्सीजन के रूप में प्राणवायु देते हैं. अत: हमें प्रकृति की इस सेवा के बदले में अधिकाधिक वृक्ष लगांने चाहिये. इस अवसर पर एफ्को के संचालक (ओध) डॉ. उदयराज सिंह एवं र्ष षटक र सभी निर्भर पारे ने ते हुये त्र प' आमंत्रित कर जंगलों के महत्व के आमंत्रित कर जंगलों के महत्व के बारे में चर्चा की गई. नाटक का होगा मंचन-विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दस दिवसीय नाट्य प्रशिक्षण कार्याला का आयोजन सुपरिचित रंगकर्मी श्रीमती नीति श्रीवास्तव के निर्देशन में बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र में किया गया. इस दौरान 'पेड़ों की सभा' नाटक तैयार कराया गया. केंद्र में पर्यावरण से संबंधित बच्चों ने र्षिरण है परंतु गथ ही रंभ हो पानी (शोध) डॉ. उदयराज सिंह एवं वरिष्ठ शोध अधिकारी डॉ. उपेंद्र वरिष्ठ शोध अधिकारी डॉ. उपंद्र आदि उपस्थित थे. शाहपुरा स्थित ऋषभदेव उद्यान के सामने एक भव्य प्रर्वातनी में वर्षाजल संग्रहण, पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन एवं पेपर पुनर्चक्रण के आकर्षक पोस्टरों द्वारा जन सामान्य को पर्यावरण र्यागरूकता का संदेश दिया गया. लिये चंतित ागियो वधता दौरान पर्यावरण से संबंधित बच्चों ने चित्र भी बनाये. चित्र भी बनाये. 6 जून को सायंकाल 6.30 बजे बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र के प्रांगण में 'पेडों की सभा' नाटक का मंचन का कार्यक्रम रखा गया है. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एन.पी. शुक्ला अध्यक्ष म.प. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल होंगे. इसकी अध्यक्षता पद्म बरेया उपाध्यक्ष गो-संबर्धन बोर्ड करेंगे. विशिष्ट अतिथि उमेश शामां वरिष्ठ प्रतिथि उमेश तमार, रंजन , कु. स्थित जागरूकता का संदेश दिया गया. लगारूकतेता को संदेशा दिया गया. नागारूकों को किया जागरूकि वोर्ड आंचलिक कार्यालय द्वारा रविवार को 'विश्व पर्यातरण दिवस' के अवसर पर शहर में व्यापक पर्यातरणीय जन-नगाई देवस के 1 गार्ग । केंद्र ति के जागरूकता हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों पर बैनर लगाये तथा तथा াণিহা गच्चों



विश्व पर्यावरण दिवस 2011

कें. प्र. नि. बो. आंचलिक कार्यालय भोपाल